हिन्दुस्तान, वाराणसी,
दिनांक 10.05.2020

48 दिनों बाद कारखाने में शुरू हुआ काम

डीरेका

वाराणसी। कोरोना संक्रमण के चलते 48 दिनों की बंदी के बाद डीरेका में शनिवार से काम शुरू हुआ। पहले दिन लोको शेप और फ्रेम पर काम शुरू कराया गया। इसके लिए परिसर में ही रहने वाले एक-तिहाई कर्मचारियों को बुलाया गया। सभी कर्मचारियों ने दो-दो मीटर की मार्किंग पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मास्क पहन कर काम किया। कारखाने में प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे और दोपहर 1:30 से शाम 6:00 बजे तक काम होगा। डीरेका में कार्यालयी कार्य चार मई से ही शुरू हो गए हैं। डीरेका प्रशासन ने आवश्यक सावधानियों के अनुसार 48 दिन के बाद उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया।

डीएलडब्ल्यू कारखाने में एहतियात के साथ काम करते कर्मचारी। • हिन्दुस्तान

आई-नेक्स्ट (दैनिक जागरण), वाराणसी,
दिनांक 10.05.2020

शुरू हुआ रेल इंजन का उत्पादन

VARANASI (9 May): डीजल रेल इंजन कारखाना में शनिवार से रेल इंजन उत्पादन फिर शुरू हो गया है. केवल डीएलडब्ल्यू आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33 प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवायें ली जा रही हैं. सभी कर्मचारियों को आरोग्य सेतु एप डाउनलोड कराया.

अमर उजाला, वाराणसी, दिनांक 10.05.2020

48 दिन बाद डीरेका कारखाने में काम शुरू

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना में 48 दिन बाद आवश्यक सावधानियों के तहत रेल इंजन उत्पादन कार्य शुरू कराया। केवल डीरेका उपनगर के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33 प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवाएं ली जा रही हैं। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नितिन मेहरोत्रा ने बताया कि कार्यशाला समय को दो शिफ्ट में बांटा गया है, साथ ही कार्य के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जा रहा है। प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। सभी कार्यस्थलों, प्रवेश द्वारों आदि पर हाथ धोने, सैनिटाइजेशन, मास्क लगाने को निर्देशित करने के साथ मोबाइल में अरोग्य सेतु एप डाउन लोड कराया गया है।

स्वतंत्र भारत, लखनऊ, दिनांक 10.05.2020

डीरेका प्रशासन द्वारा डीरेका में उत्पादन कार्य प्रारम्भ करने का लिया गया निर्णय

ब्यूरो वाराणसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के चलते देश की अर्थव्यवस्था काफी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। सरकार द्वारा सभी तथ्यों पर गहन मंथन करते हुए रियायतों के साथ देश की उत्पादन इकाईयों को प्रारंभ किये जाने का निर्देश जारी किया गया है। डीजल रेल इंजन कारखाना, वाराणसी में शनिवार से रेल इंजन उत्पादन कार्य पुनः प्रारम्भ हो गया है। विदित हो कि विगत 4 मई से ही डीरेका में कार्यालयी कार्य सुचारू रूप से नियमित चल रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में लगभग 48 दिन के पश्चात डीरेका प्रशासन द्वारा आवश्यक सावधानियों तथा जारी दिशा निर्देशों अनुसार उत्पादन कार्य प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया। केवल डीरेका उपनगर के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33 प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवायें ली जा रही हैं। कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत सभी कर्मचारियों को आरोग्य सेतु एप डाउनलोड कराया गया है, फेस मास्क उपलब्ध कराए गए हैं, कार्यशाला समय को दो शिफ्ट में बांटा गया है एवं कार्य के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जा रहा है। प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। साथ ही, सभी कार्यस्थलों, प्रवेश द्वारों आदि जगहों पर हाथ धोने एवं समय-समय पर सेनिटाइजेशन की भी व्यवस्था की गई है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार, रा%य सरकार व जिला प्रशासन की अनुमति एवं दिशा निर्देशों के साथ डीरेका प्रशासन द्वारा शनिवार से प्रतिदिन प्रातः काल 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक प्रथम शिफ्ट एवं दोपहर 1:30 बजे से सायंकाल 6:00 बजे तक कर्मशाला हेतु कार्यकाल निर्धारित किया गया है।

Sunday Pioneer, Lucknow
Dated-10.05.2020

Production restarts at DLW

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

The arrival of stranded and migrated workers continued not only in this holy city but also in various parts of Purvanchal as a special train from Lingapalli in Telagana arrived here on Saturday morning, bringing 1,253 passengers from 19 districts including 66 of Varanasi. It was the fourth continuous day when stranded people were brought here from different parts of the country. Fortunately, it was the third day in succession when no positive corona patients were found. According to Chief Medical Officer (CMO) Dr VB Singh, the reports of 108 samples were received from Microbiology Lab of Banaras Hindu University (BHU) in which all of them were negative.

Out of these, 23 samples collected by Flu ODO of BHU, 16 by ESI Hospital, five by mobile team, 13 as second repeat samples of COVID-19 patients being treated at Pt Deen Dayal Upadhyay (DDU) Hospital and 51 of passive quarantine doctors. Earlier, after finding of second negative report of wholesale medicine trader from Sapt Sagar market and resident of Madauli, he was discharged from DDU Hospital but as soon as after the discharge, he was arrested by Manduadih police and sent him to temporary jail at Jagatpur College in ambulance. An FIR was lodged against him on April 27 when it was found that after instructions to him on April 20 by DDU Hospital doctors for home quarantine, he violated the norms of social distancing, resulting in spreading corona to 13 persons of his family and business places. He was found positive on April 24.

Meanwhile, the production in one of the biggest production units of Indian Railways, Diesel Locomotive Works (DLW) has restarted after 48 days. Earlier, administrative work was started since May 4 last. However, at this stage the production has been started with only 33 per cent workers residing in DLW township. All the employees were instructed to download Aarogya Setu App on their mobile phones and they were allowed into the workshop only after thorough thermal scanning.

The wearing of masks is mandatory and from time to time, sanitisation was being made there apart from entry gates and other places. As per the instructions of Union Home Ministry, state government and district administration, the work would be held in two shifts daily between 7.30 am to 12.30 pm and 1.30 pm to 6 pm.

स्पष्ट आवाज, लखनऊ,
दिनांक 10.05.2020

डीरेका में उत्पादन कार्य प्रारम्भ

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना वाराणसी में शनिवार से रेल इंजन उत्पादन कार्य पुनः प्रारम्भ हो गया। विदित हो कि विगत 4 मई से ही डीरेका में कार्यालयी कार्य सुचारू रूप से नियमित चल रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में लगभग 48 दिन के बाद डीरेका प्रशासन द्वारा आवश्यक सावधानियों तथा जारी दिशा निर्देशों अनुसार उत्पादन कार्य प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया। केवल डीरेका उपनगर के आवासों में रहने वाले कर्मचारियों से ही अधिकतम 33प्रतिशत फॉर्मूला के आधार पर सेवायें ली जा रही हैं। कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत सभी कर्मचारियों को आरोग्य सेतु एप डाउनलोड कराया गया है, फेस मास्क उपलब्ध कराए गए हैं, कार्यशाला समय को दो शिफ्ट में बांटा गया है एवं कार्य के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जा रहा है। प्रवेश द्वार पर सभी कर्मचारियों की थर्मल स्कैनिंग की जा रही है। साथ ही सभी कार्यस्थलों प्रवेश द्वारों आदि जगहों पर हाथ धोने एवं समय-समय पर सेनेटाइजर की भी व्यवस्था की गई है।

The Sunday Times, Lucknow
Dated-10.05.2020

DLW resumes operations after 48 days

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi: Diesel Locomotive Works (DLW), a production unit of Indian Railways, started production of locomotives on Saturday after a 48-day closure due to lockdown in the wake of CIVID-19 outbreak.

DLW chief public relations officer Nitin Mehrotra said that the production activities have been started with necessary precautions and as per the protocol of lockdown. The services of only 33% employees living in DLW township are being taken in production activities.

He said that in view of the COVID-19 pandemic all employees were made to download the Arogya Setu app in their mobile phones, and all of them have been given face masks. The workshop timing has been divided into two shifts with strict following of social distancing norms. Each employee undergoes thermal scanning at the entrance. Besides, proper arrangements of sanitization and handwashing have been made at various places in the workshops.

As per the guideline of the ministry of home affairs and instructions of the district administration, the working timings have been fixed from 7.30 am to 12.30 pm for first shift and from 1.30 pm to 6 pm for the second, he said.

आई-नेक्स्ट (दैनिक जागरण), वाराणसी,
दिनांक 10.05.2020

वर्कप्लेस भी सेफ नहीं अगर गाइडलाइन है साइडलाइन

सरकारी से लेकर प्राइवेट ऑफिस तक को कर्मचारियों की सेहत का रखना होगा ध्यान

ऑफिस में काम करने के लिए गृहमंत्रालय ने जारी किया है गाइडलाइन इसका पालन करना है जरूरी

ये दूरी है जरूरी

varanasi@inext.co.in

VARANASI (9 May): कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए देशभर में लॉकडाउन 17 मई तक बढ़ा दिया गया है. इस संबंध में गृह मंत्रालय ने गाइडलाइन भी जारी कर दी है. गाइडलाइन में इस बार के लॉकडाउन में कुछ छूट भी दी गई है. देश भर को रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोनों में बांटा गया है. गाइडलाइन में कहा गया है कि रेड जोन जिसमें बनारस भी शामिल है उसमें शर्तों के साथ ऑफिस को खोलने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सभी औद्योगिक और निर्माण गतिविधियां, जिनमें मनरेगा कार्य, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां और ईंट-भट्टे शामिल हैं, इनको अनुमति दी गई है. यहां कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए सभी उपायों को कड़ाई से पालन करना है. इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है. हांलाकि इसमें कर्मचारियों की ही भलाई है. ऑर्डर के बाद से बनारस में भी कई सरकारी, प्राइवेट ऑफिसेस के अलावा यूनिवर्सिटीज व डीएलडब्ल्यू में नियमों का पालन करते हुए काम शुरू हो गया है.

PIC: DAINIK JAGARAN INEXT

डीएलडब्ल्यू में हर कर्मचारी की होती है थर्मल स्क्रीनिंग.

पब्लिक प्लेस के लिए ये है गाइडलाइन

- पब्लिक प्लेस और वर्क प्लेस पर मास्क लगाना जरूरी होगा
- पब्लिक प्लेस, वर्क प्लेस और ट्रांसपोर्ट सेवाओं के इंचार्ज की यह जिम्मेदारी होगी कि वह सरकार के निर्देशों के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराए
- किसी भी संस्थान या पब्लिक प्लेस के मैनेजर को पांच या उससे ज्यादा लोगों के एक साथ जमा करने की इजाजत नहीं होगी
- शादी या अंतिम संस्कार पर डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट का निर्देश मान्य होगा
- पबलिक प्लेस पर थूकने पर सजा के साथ जुर्माना भी होगा

ऑफिस के लिए गाइडलाइन

- ऑफिस की बिल्डिंग, एंट्री गेट, कैफेटेरिया और कैंटीन, मीटिंग रूम, कांफ्रेंस हॉल, ओपन एरिया, दीवारें और जमीन आदि को डिसइंफेक्टेंट से साफ करना होगा.
- दूर से आने वाले कर्मचारियों के लिए ऑफिस की तरफ से स्पेशल ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था की जाएगी.
- कंपनी की ओर से लगाए गए स्पेशल ट्रांसपोर्टेशन व्हीकल में 30 से 40 परसेंट पैसेंजर को लाने की अनुमति होगी.
- सभी गाड़ियों और मशीनों को ऑफिस में घुसने से पहले डिसइंफेक्ट किया जाएगा
- ऑफिस में आने वाले और बाहर निकलने वाले हर व्यक्ति की थर्मल स्क्रीनिंग अनिवार्य होगी
- ऑफिस में काम करने वाले सभी कर्मचारियों का मेडिकल इंश्योरेंस किया जाएगा
- एंट्री और एग्जिट गेट पर टच फ्री मैकेनिज्म को लागू हो
- एंट्री और एग्जिट गेट के साथ-साथ कॉमन एरिया में भी हैंडवॉश और सेनेटाइजर रखे जाएंगे
- ऑफिस में शिफ्ट के बीच में एक घंटे का ब्रेक होना जरूरी होगा
- कर्मचारियों के लिए लंच ब्रेक का समय भी अलग-अलग होगा और कैंटीन में एक दूसरे से दूरी बनाकर लंच करना होगा
- संस्थान या ऑफिस में बड़े स्तर पर मीटिंग नही की जा सकेंगी
- निजी और सरकारी क्षेत्र के सभी कर्मचारियों को आरोग्य सेतु ऐप के इस्तेमाल को बढ़ावा देना